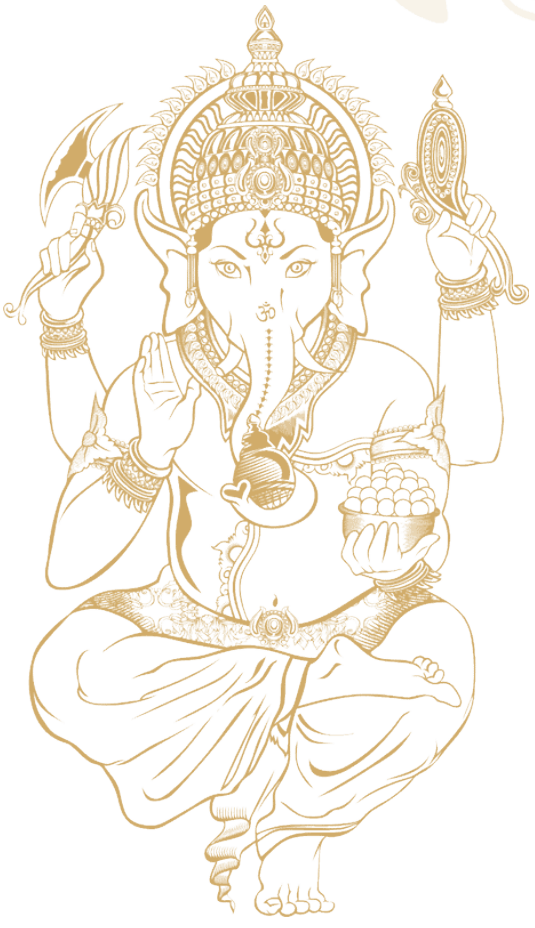

Harjot

26 Oct 2005

03:55 AM

Bhatinda

Model: web-freekundliweb

Order No: 121161602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**25-26/10/2005**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**03:55:00 घंटे**
इष्ट	53:09:44 घटी
स्थान	**Bhatinda**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	30:10:00 उत्तर
रेखांश	74:58:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:30:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:24:52 घंटे
वेलान्तर	00:15:57 घंटे
साम्पातिक काल	05:42:29 घंटे
सूर्योदय	06:39:06 घंटे
सूर्यास्त	17:49:06 घंटे
दिनमान	11:10:00 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	08:40:00 तुला
लग्न के अंश	02:14:58 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	शुभ
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डी-डीगेश्वर
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	02:14:58	314:09:30	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	---
सूर्य			तुला	08:40:00	00:59:50	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	नीच राशि
चंद्र			कर्क	18:15:25	11:51:21	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	स्वराशि
मंगल	व		मेष	25:21:00	00:18:52	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	स्वराशि
बुध			वृश्चि	00:34:48	01:17:17	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	सम राशि
गुरु		अ	तुला	06:01:22	00:13:04	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	25:25:53	01:02:54	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	सम राशि
शनि			कर्क	16:40:51	00:02:59	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
राहु			मीन	19:33:03	00:00:55	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	सम राशि
केतु			कन्या	19:33:03	00:00:55	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		कुंभ	13:05:25	00:01:02	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	---
नेप	व		मक	20:52:49	00:00:02	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	28:38:03	00:01:36	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
दशम भाव			मिथु	02:02:32	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:56:13

लग्न-चलित

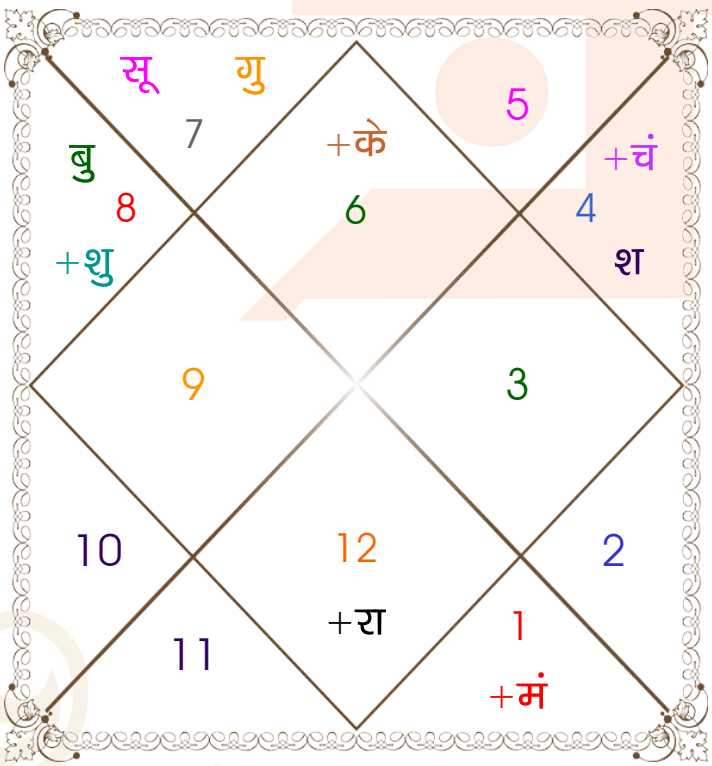

चन्द्र कुंडली

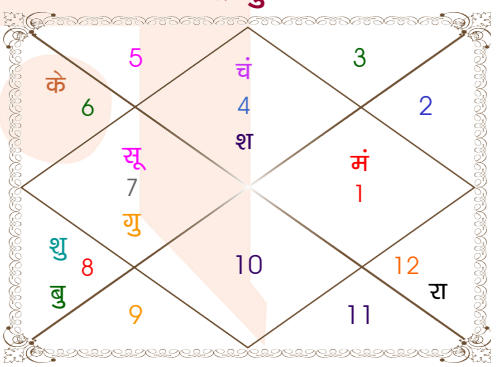

नवमांश कुंडली

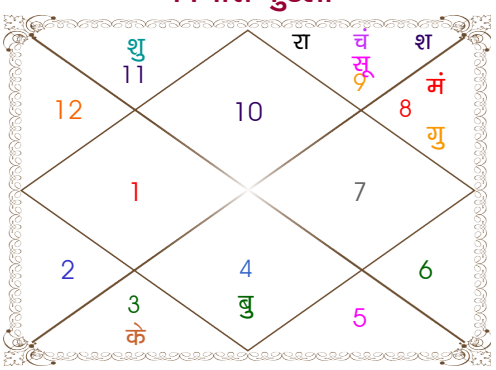

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 14 वर्ष 11 मास 20 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
26/10/2005		15/10/2020		16/10/2027		16/10/2047		16/10/2053	
15/10/2020		16/10/2027		16/10/2047		16/10/2053		16/10/2063	
बुध	14/03/2006	केतु	13/03/2021	शुक्र	15/02/2031	सूर्य	03/02/2048	चंद्र	16/08/2054
केतु	11/03/2007	शुक्र	14/05/2022	सूर्य	15/02/2032	चंद्र	03/08/2048	मंगल	17/03/2055
शुक्र	09/01/2010	सूर्य	18/09/2022	चंद्र	16/10/2033	मंगल	09/12/2048	राहु	15/09/2056
सूर्य	15/11/2010	चंद्र	19/04/2023	मंगल	16/12/2034	राहु	03/11/2049	गुरु	15/01/2058
चंद्र	16/04/2012	मंगल	16/09/2023	राहु	15/12/2037	गुरु	22/08/2050	शनि	16/08/2059
मंगल	13/04/2013	राहु	03/10/2024	गुरु	15/08/2040	शनि	04/08/2051	बुध	15/01/2061
राहु	31/10/2015	गुरु	09/09/2025	शनि	16/10/2043	बुध	09/06/2052	केतु	16/08/2061
गुरु	05/02/2018	शनि	19/10/2026	बुध	16/08/2046	केतु	15/10/2052	शुक्र	16/04/2063
शनि	15/10/2020	बुध	16/10/2027	केतु	16/10/2047	शुक्र	16/10/2053	सूर्य	16/10/2063

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
16/10/2063		16/10/2070		15/10/2088		16/10/2104		17/10/2123	
16/10/2070		15/10/2088		16/10/2104		17/10/2123		00/00/0000	
मंगल	13/03/2064	राहु	28/06/2073	गुरु	04/12/2090	शनि	20/10/2107	बुध	27/10/2125
राहु	01/04/2065	गुरु	22/11/2075	शनि	16/06/2093	बुध	29/06/2110		00/00/0000
गुरु	08/03/2066	शनि	28/09/2078	बुध	22/09/2095	केतु	08/08/2111		00/00/0000
शनि	16/04/2067	बुध	16/04/2081	केतु	28/08/2096	शुक्र	08/10/2114		00/00/0000
बुध	13/04/2068	केतु	04/05/2082	शुक्र	29/04/2099	सूर्य	20/09/2115		00/00/0000
केतु	09/09/2068	शुक्र	04/05/2085	सूर्य	15/02/2100	चंद्र	20/04/2117		00/00/0000
शुक्र	09/11/2069	सूर्य	29/03/2086	चंद्र	17/06/2101	मंगल	30/05/2118		00/00/0000
सूर्य	17/03/2070	चंद्र	28/09/2087	मंगल	24/05/2102	राहु	05/04/2121		00/00/0000
चंद्र	16/10/2070	मंगल	15/10/2088	राहु	16/10/2104	गुरु	17/10/2123		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 14 वर्ष 11 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश के साथ-साथ कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इन संयोजनों की आकृति आपके जीवन के प्रौढ़ावस्था तक हृष्ट पुष्ट शरीर से ज्यादा आनन्दप्रद परिवेश की स्थापना करता है।

परंतु आप यह अंगीकृत नहीं करते कि स्वास्थ्य ही सर्वोतम धन है। आप अत्यंत ही धनलोलुप हो एवं सदैव ही अत्यधिक धन प्राप्त करना चाहते हो। आप इस निर्देशन का अनुभव करते है कि आपकी छोटी से महत्वकांक्षा अंतिम क्षण तक अवश्य ही पूर्ण होगी। किंतु आपके दिमाग में एक महत्वपूर्ण धारणा यह है कि आपका भविष्य ग्रहों के प्रभाव से निश्चय ही वर्त्तमान स्थिति को उन्नति पूर्ण एवं परिवर्तनशील बनायेगा। अस्तु आप अनिवार्य रूप से निरूत्साहित नही है। आपके जीवन में अनेकों वार उत्थानपतन के अनुभव प्राप्त हुए हैं परंतु आप सभी खेल व्यवसाय की वस्तु स्थिति का मूल्यांकन कर चुके हैं। बल्कि आप अपने मस्तिष्क को इस प्रकार व्यवस्थित कर लो कि उपयुक्त समय आने पर अकस्मात् मात्र गर्त्त से ऊपर हो कर उन्नति का अनुभव कर सकेंगे और आप मुश्किल से किसी प्रकार जीवन निर्वाह करना स्वीकार करेंगे। आप अस्थिर बुद्धि के पुरूष हैं। आप एकाग्रता पूर्वक अपने संबंधित विषय वस्तुओं को परिवर्तित या स्थानांतरित करेंगे। आपको सर्वप्रथम गंभीरता पूर्वक निर्णय लेना होगा कि किस प्रकार इस विधान को अंगीकृत किया जाए। आपके लिए प्रथम दृष्टिकोण ही उत्तम निर्णय प्रमाणित होगा।

सीधे लम्बे आकृति के तिरछी भौंहों से युक्त आपके व्यक्तिगत स्वरूप का प्रदर्शन कराता हैं। बल्कि आप कार्य में अग्रसर रहते हैं, परंतु आप अड़ियल प्रवृति के अंहकार से युक्त पुरूष है। आप सदैव ही दूसरों के समक्ष असत्यवादी एवं निम्न स्तरीय प्रमाणित होते हैं। अन्ततोगत्वा आप अति कुशाग्रबुद्धि के प्राणी हैं। आप अन्य व्यक्तियों के स्तर का अपने को भी स्वीकृत करते हो। आप अपनी अंतहीन आलोचना होते देखते हो तो अधीरता पूर्वक इसे सहन नहीं कर पाते हो। जिसकी वजह से आप बहुत लोगों की ओर से अपने को विमुख कर लेते हो।

आपको अपने अधीनस्थ कार्यरत व्यक्तियों से तथा अपने कतिपय मित्रों से सतर्क रहना होगा। क्योंकि ये लोग आपके जीवन के गुप्त विषय को जानकर आपकी छवि एवं आपके व्यक्तित्व को धूमिल करने के लिए अथक परिश्रम कर सकते हैं। कुछ व्यक्ति आपके साथ वाद-विवाद करके आपके विरूद्ध समाज में आपको नग्न कर सकते हैं। अतः उत्तम तो यह है कि आप किसी भी प्रकार की संभावित घटनाओं के प्रति सतर्क रहें तथा किसी भी प्रकार के मित्र अथवा नौकरों के चयन हेतु आपको किसी के भी स्वभाव, प्रकृति की जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए। आप मिथुन लग्न राशि के कार्य व्यवसाय के समान ही अपना कार्य व्यवसाय भी निश्चित कर सकते हैं। आप अपने कार्य व्यवसाय के अन्तर्गत शेयर ब्रॉकर, एकाउन्टेन्सी, वकालत, अभियंत्रिकी कार्य के साथ-साथ रसायनिक, व्यवसायिक, फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स, शैक्षणिक एवं पराविद्या से संबंधित ज्योतिष, ध्यान, योगादि कार्य कर सकते हैं। यदि आपमें कुशाग्र बुद्धिमत्ता हो तथा बाद संवाद अर्थात् पत्रकारिता संबंधित कार्य अच्छा लगे तो आप एकाग्रता पूर्वक एक अच्छे क्षेत्रीय स्तर के नेता हो सकते हैं।

सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु वृद्धावस्था के कारण आपमें मतखिन्नता (पागलपन) जैसी प्रवृति हो सकती है। क्योंकि आप में अति मद्यपान की आदत पाई जाती है। अतएव आप किसी भी प्रकार की नशा आदि से खासकर मद्यपान से परहेज करें। आप अतिरिक्त खाद्य-पदार्थों में निरामिष भोजनादि ग्रहण करें ताकि आपकी पाचन शक्ति एवं नस संबंधी शक्ति में क्षीणता न आ सके। अन्यथा आपके पेट की गड़बड़ी से दस्तरोग तथा पीठ में दर्द की आशंका उत्पन्न हो सकता है। संप्रति आपको निरंतर छोटे मोटे रोग चोट की आशंका बनती है। अस्तु आपको सावधानी पूर्वक वाहन संचालन करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल एवं भाग्यशाली प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं। अतः इस का त्याग करें।

आपके लिए रंगों में सफेद हरा, पीला, एवं सुग्गापंखी रंग अनुकूल है। परंतु नीला, लाल, एवं काला रंग सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।